

दोस्ती या प्यार

“कामिनी सक्सेना मेरी नई नई नौकरी लगी एक साल हो गया था. मेरे ऑफिस में एक ही लड़की मैं थी. मेरी टेबल के पास संजय की टेबल थी. मैं किसी से ज्यादा बात नहीं करती थी. बाद में मेरी दोस्ती संजय से हो गयी थी. मैंने उस से कहा कि वो अपनी सेक्स के पल [...] ...”

Story By: (kaminisaxena01)

Posted: Tuesday, August 31st, 2004

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [दोस्ती या प्यार](#)

दोस्ती या प्यार

कामिनी सक्सेना

मेरी नई नई नौकरी लगी एक साल हो गया था. मेरे ऑफिस में एक ही लड़की मैं थी. मेरी टेबल के पास संजय की टेबल थी. मैं किसी से ज्यादा बात नहीं करती थी. बाद में मेरी दोस्ती संजय से हो गयी थी. मैंने उस से कहा कि वो अपनी सेक्स के पल अन्तर्वासना के पाठकों को भी बताये ...जिस से सभी उन बातों का मजा ले सकें. संजय होमो का शौकीन भी था. उसी की लेखनी से प्रस्तुत है यह कहानी.

हाय मेरा नाम संजय है. मेरी नौकरी लगे हुए २ साल हो चुके हैं. मुझे कंपनी की तरफ से मकान मिला हुआ है. मेरे साथ वाला मकान कामिनी का है. ये मकान दो मकानों के जोड़े में है. जिसकी एक ही चारदीवारी है. और पीछे एक चौक है जो दोनों मकानों को एक दरवाजे के द्वारा जोड़ता भी है.

इन दिनों मेरा ऑफिस का एक दोस्त दूर पर आया हुआ था. मेरी ही उमर का था और कुछ कुछ मेरे ही तरह गोरा और लंबा था. उसका नाम विक्की था. विक्की दिन भर दूर पर रहता था शाम को ६ बजे तक वो लौट आता था .फिर हम रात को थोड़ी सी व्हिस्की भी पीते थे और सो जाते थे. उस दिन विक्की शाम को आया और नहा कर हम चाय पीने लगे. हम दोनों आपस में बात कर रहे थे. बातों बातों में उसने बताया कि आज वो एक हिन्दी में ब्लू सीडी लाया है. मैंने कभी ब्लू फ़िल्म नहीं देखी थी. मेरे पूछने पर उसने बताया कि इसमें बूब्स चूसना, चुदाई करना, वगैरह खुला दिखाया जाता है. मेरे मन में भी बहुत इच्छा थी कि मैं ब्लू फ़िल्म देखूं. शाम को करीब ८ बजे उसने सीडी लगाई. हमने एक एक जाम बनाया और पीते हुए देखने लगे. थोड़ी ही देर में स्क्रीन पर गरम गरम बातें होने लगी.



“विक्की ...ये तो लंड ..चूत की भाषा बोल रहे हैं ..”

” हाँ इस में सब कुछ खुला ही बोलते हैं ..”

मैंने पहली बार ब्लू फ़िल्म देखी थी इस लिए मुझे मजा आने लगा. मेरा लंड भी धीरे धीरे कब खड़ा हो गया मुझे पता ही नहीं चला. अचानक मुझे लगा विक्की मेरे लंड की और देख रहा है. मैंने संभलते हुए ऊपर एक कपड़ा डाल लिया. मैं रात के हिसाब से पजामा पहना था, अंडरवियर सोते समय नहीं पहनता था. मेरी नजर उस पर गयी तो उसका लंड भी सीधा खड़ा था, पर वो उसे छुपा नहीं रहा था. बल्कि उसे धीरे धीरे मसल रहा था .

“क्या मस्त चुदाई चल रही है ...”

“हाँ यार ... उसकी चूत तो देख ...” मैं बोला ।

“और उसका लंड ... क्या मोटा है ...”

उसने मेरी जांघ पर हाथ रख कर दबाया. मेरे मन के तार झनझना गए.

मैंने कहा – “यार रोज ही एक सीडी ले आया कर ... ये तो मस्त चीज है ...”

उसने मेरे ऊपर से कपड़ा खींच लिया ..

“यार तू तो लड़कियों की तरह शरमा रहा है ...”

“अरे ... मत कर ...न ”

“भर्द है तो खड़ा तो होगा ही ... ये तो साधारण सी बात है ...”

मैंने देखा कि उसका लंड भी जोर मार रहा था .. उसने सीधे ही मेरा लंड पकड़ लिया ..

“..ये तो बहुत कड़क हो गया है..”

” इस को छोड़ यार ... हाथ हटा ...” मैंने उसका हाथ पकड़ लिया पर लंड छुड़ाया नहीं. वो समझ गया कि मुझे मजा आ रहा है. सच में उसने मेरा लंड पकड़ा तो में आनंद से भर गया था. मेरे मन में भी अब उत्तेजना भर गयी थी. मुझे लग रहा था कि वो मेरी मुठ मार दे ..बस. मैंने भी हाथ बढ़ा कर उसके लंड को पकड़ लिया.

“हाय संजू ... अब जरा दबा दे ...”

मैंने उसे दबा दिया. उसने तुरंत अपना पजामा उतर दिया. उसके पजामा उतारते ही मैंने उसके लंड कि सुपारी खोल दी. और सुपारी को उँगलियों से दबाने लगा.

“हाँ संजू ...घिस डाल ... अपना पजामा भी तो उतार दे ...”

मैंने अपना पजामा उतार दिया. उसने तुरंत ही मेरे लंड को मसलना चालू कर दिया.

मेरे मुंह से भी सिसकारी निकल गयी ... मुझे बहुत ही अच्छा लगने लगा था.

“और जोर से पकड़ कर मुठ मार ...ओ ऊ ऊई ईई ”

“संजू तुम्हारा लंड तो बहुत प्यारा है ...मेरी गांड में घुसाओगे क्या ...”

“तुम बताओ ... कैसे घुसाते हैं ..”

वो बिस्तर पर घोड़ी बन गया. मेरे से कहा – “अपना लंड मेरी गांड में घुसा दो ...” मैंने अपना लंड उसकी गांड में रखा और दबाने लगा पर वो नहीं जा रहा था. उसने कहा “थोड़ा थूक लगा कर चिकना कर दो ...”

मैंने थूक लगा कर जोर लगाया तो मेरे लंड की सुपारी अन्दर घुस गयी. पर मेरे लंड में जलन होने लगी। सुपारी के नीचे वाली झिल्ली फट गयी थी. और लंड की चमड़ी पूरी तरह से ऊपर चढ़ गयी. मैंने घबरा कर लंड बाहर निकाल लिया.

“मुझे से नहीं होता है ...ये सब ..”

“अच्छा तो तुम घोड़ी बन जाओ ...”

उसने मुझे घोड़ी बनाया और कहा -“देखो मैं बताता हूँ ...”

विककी एक्सपर्ट था. उसने मेरी गांड में थूक लगाया और लंड गांड के छेद पर रख कर जोर लगाया तो उसकी सुपारी मेरी गांड के अन्दर घुस गयी. उसने मेरा लंड नीचे से पकड़ लिया. ये सब करने से मैं बहुत उत्तेजित हो उठा था. मेरा लंड कड़ा हो कर फटा जा रहा था .उसने धक्का लगा कर अपना लंड पूरा गांड में घुसा दिया.

“क्या चिकनी गांड है संजू ” ... उसने मेरा लंड मसलते हुए कहा. बीच बीच में मुठ भी मारता जा रहा था .मुझे गांड मराने में मजा आने लगा. गांड का छेद टाइट होने से वो ज्यादा देर नहीं टिक सका. और धक्के मारते मारते वो झड़ गया.उसने लंड गांड में ही रहने दिया. और कस कस कर मेरे लंड की हाथ से मुठ मारने लगा. कुछ ही देर में मुझे लगा कि मेरा निकलने वाला है. मैं मस्ती में आँखें बंद किए था. मेरे लंड को मुठ मारने से अब कुछ कुछ होने लगा था. निकलने जैसा होने लगा था. अचानक अन्दर से लावा बाहर आने लगा.

“अरे ...आ आह हूह ...आ अहह हह ... ये क्या ...अरे छोड़ मेरा लंड ... ” कहते हुए मेरी धार अपने आप ही निकल पड़ी. उसने अब अपनी उँगलियों से लंड को हलके हलके खींचने लगा. मेरी पिचकारी रुक रुक कर निकलती रही. मुझे लगा मेरी गांड में से भी उसका वीर्य निकल रहा है. मैं बिस्तर से उठ कर खड़ा हो गया और तोलिये से मेरे लंड और

गांड को पोंछने लगा.

विक्की मुस्कराया ..”मजा आया न ...”

“हाँ ये मेरा पहला एक्सपेरिंस था ...”

“इसमे कोई बदनामी का कोई खतरा नही ... अपने मजे करो ... और अपना पानी निकाल दो ...”

हम दोनों हंसने लगे ।

...

देखा आपने, ये संजय है. ये लड़के कितनी मस्ती मारते हैं. संजय की होमो की कहानी आगे भी चलती रही.

पर मैं इसमे कहाँ थी ... जी हाँ मैं इस कहानी मैं ही हूँ.

जानते हैं आप ...अब मेरी कहानी सुने ...

संजू की बैठक और मेरी बैठक आमने सामने है. मेरा बेड रूम और मेरा किचेन भी आमने सामने है. जब संजू बैठक में रहता है तो रात को लाइट बंद करके खिड़की पर बैठ कर उसे देखती रहती हूँ. कभी कभी वो कपड़े बदलता है तो नंगा भी हो जाता है. सभी कुछ साफ़ दिक्ता है. वो कोई सीडी देखता है तो उसके हाव भाव और हरकतें देखती रहती हूँ.

... पर यही नहीं, बदले में मैं भी बेडरूम में उसको दिखाने के लिए अपने स्तनों को दबाती हूँ. अंगड़ाई लेती हूँ. सोने से पहले अपने कपड़े पूरे उतार कर सकर्ट और टॉप पहनती हूँ. पर वो देखता है या नहीं मैं नहीं जानती हूँ.



मुझे वाइरल ज्वर हो गया था. मैं ऑफिस नहीं गयी थी. शाम को संजय मिलने आया. मुझे देख कर बोला -“तुम्हे बुखार हो रहा है ...चलो मैं डॉक्टर को दिखा दूँ ” वो मुझे जबरदस्ती क्लीनिक पर ले गया. डॉक्टर ने ५ दिन की दवाइयाँ दे दी. हम वापस घर आ गए।

मैं तो खुद अपना खाना पकाती थी. पर संजय का टिफिन आता था. संजय सामने अपने घर चला गया. थोड़ी ही देर में संजय ने फिर दरवाजा खटखटाया – मैंने उसे अन्दर बुला लिया. वो अपना टिफिन लेकर आया था. उसने मुझे खाना खिलाया और फिर बचा हुआ खुद उसने खाया और चला गया. मैं उसे देखती रह गयी. अब संजय मुझे सुबह, दिन और शाम को देखने आता था ... मेरी पूरी देख रेख करता था. पाँच दिनों में मैं बिल्कुल ठीक हो गयी. मैं उसके अहसान से दब गयी. पर इस बारे में न वो कुछ कहता ... ना मैं ही कुछ कहती. जब मैं खाना बनाती तो उसको जरूर भेजती थी. बाद में मैंने उसका टिफिन बंद करवा दिया. अब वो मेरे घर पर ही खाता था. वो जब किचन की खिड़की पर होता तो मैं उसे हाथ हिलती और जो भी बनाती उसे बताती. हम दोनों अब बहुत घुल मिल गए थे. बल्कि ऐसा लगता था कि हमें एक दूसरे से प्यार हो गया है.

एक बार शाम को मैं बाज़ार से लौटी और कमरे में घुसी तो सामने खिड़की में से संजय दिखा. वो अपना हाथ से अपने पजामे के ऊपर से लंड को दबा रहा था. मैंने बत्ती नहीं जलाई और देखती रही और रोमांचित हो उठी. वो बेखबर हो कर कभी लंड को सीधा करता और अपनी मुट्ठी में भर लेता और दबाता. कभी उगलियों से लंड दबा कर ऊपर नीचे करता. उसने अब अपने पजामे का नाडा खोला और अपने लंड को बाहर निकाला. और देखता रहा. फिर उसने अपने लंड की चमड़ी ऊपर कर दी. उसका एक तो इतना मोटा लंड फिर लाल लाल मोटी सुपारी ... मैं तो सिहर उठी ... मेरे बदन में चींटियाँ रेंगने लगी. मैं उत्तेजित हो उठी. मेरे स्तनों में कड़ापन आने लगा. चुंचियां कड़ी होने लगी ... उसने तभी अपना रिमोट उठाया और कोई बटन दबाया ...

ओह ! तो संजय कोई फ़िल्म देख रहा था ... पर कैसी फ़िल्म ?

मैं किचन में गयी ... और आइस की केन उठाई. पीछे के दरवाजे से मैंने उसका दरवाजा खटखटाया. उसने तुरंत ही उठ कर दरवाजा खोल दिया. पर अपने खड़े हुए लंड को नहीं छुपा सका. मेरी नजर उसके लंड पर पड़ी. खड़ा लंड देख कर मैं शरमा गयी वो भी झट से हाथ से छिपाने की कोशिश करने लगा. मैं अन्दर आ गयी. इतने में संजय लपक कर आया – “रुक जाओ कामिनी ..”

पर मैं अन्दर आ चुकी थी ... उसने सीडी का मैं स्विच ही बंद कर दिया. मैंने ब्लू फ़िल्म की झलक देख चुकी थी. अनजाने बनते हुए पूछा - “कोई अच्छी फ़िल्म थी ... बंद क्यों कर दी ...”

“कुछ नहीं ... ऐसे ही ...” वो हडबडा गया “कोई काम था क्या ...”

“हाँ बर्फ लेने ई थी ...”

उसने अपना फ्रीज खोला और ट्रे खाली कर दी. मैंने इतनी देर में उसे छेड़ने के लिए सीडी का स्विच ओन कर दिया. फ़िल्म फिर से चलने लगी. संजय ने जल्दी से आकर फिर से बंद कर दी.

“कामिनी मत देखो ... ये बड़ों की फ़िल्म है ...”

“अच्छा नहीं देखती .. बस ... पर खिड़की तो बंद कर लिया करो ... फ़िल्म से अच्छा तो वो सीन था ..”

संजय घबरा गया. मैं उसे देखती रही.

“मुझे भी दिखा दो .. बड़ों की ये फ़िल्म ..” मैंने फिर से सीडी ओन कर दी ... चुदाई के सीन

चल रहे थे ... मैंने पहली बार ब्लू फ़िल्म देखी थी ... मेरे रोंगटे खड़े हो गए ... मेरी टांगें कांपने लगी ... मैं वहीं कुर्सी पर बैठ गयी ...

“संजय .. ये क्या ... हाय रे. ...”

“बस देख तो लिया ... बंद कर दो प्लीज़ ..”

” प्लीज़ संजय ... देखने दो न ...” मैंने रिक्वेस्ट की. संजय पास ही खड़ा था. मैंने उसकी टांग पकड़ ली. और अपनी तरफ़ खींच ली.

“संजय ये बड़ों की फ़िल्म नहीं है ... ये तो हम जैसे जवानों के लिए है ... देखो तो सही ..”

मैंने पजामे से हाथ ऊपर बढ़ा कर उसके चूतड़ों को पकड़ लिया .और जोश में अपनी तरफ़ खींचने लगी. मैं सब कुछ भूलती जा रही थी. जाने कब उसका लंड मेरे मुंह के करीब आ गया. और मेरे मुंह अपने आप खुलते गए. एक मोटा मोटा नंगा लंड मेरे मुंह में घुसता चला गया. संजय भी सब कुछ भूल कर अपना लंड बाहर निकल कर मेरे मुंह से सटा दिया. मैंने उसके लंड को चूसना चालू कर दिया. मैं मस्त हो उठी. संजय भी मेरे मुंह में धक्के मरने लगा. मैं कुर्सी से उठी और उस से लिपट गयी ...

“संजय ... अब रहा नहीं जाता है. .प्लीज़ अब कुछ करो न ...” मैं बहुत उत्तेजना से भर उठी.

संजय ने मुझे लिपटा लिया और बेतहाशा चूमने लगा.

मैंने अपने आप को संजय के हवाले करते हुए कहा – “प्लीज़ संजू मुझे चोद दो ... देखो मैं कैसी तड़प रही हूँ .”

उसने प्यार से मेरे चेहरे को ऊपर उठाया ... और किस करते हुए बोला – “हाँ मेरी कामिनी

... अब तुम जरूर चुदोगी .. मेरा लंड ... देखो तो फूल कर फट जाएगा .”

उसने मुझे बाँहों में उठाया और धीरे से बिस्तर पर लेटा दिया. उसने मेरी साड़ी उतर दी. फिर प्यार से ब्लाउज उतर दिया, पेटीकोट भी खोल डाला ... अब मैं बिल्कुल नंगी संजय के सामने चुदने के लिए लेटी थी. वो मेरे हुस्न को निहार रहा था. वो भी नंगा था. उसका लंड देखते मैंने उसे अपने ऊपर खींच लिया. मैं चुदने के लिए बेकरार हो उठी थी. मेरी चूत पानी से तर हो चुकी थी. वो मेरे ऊपर सवार हो गया. तभी मेरी चूत में कुछ चीरता हुआ अन्दर घुस गया. मैं तड़प उठी. चूत को ऊपर उठाते हुए बोली – राजा लो ... और अन्दर घुसेड दो ...” उसने दूसरे झटके में पूरा लंड जड़ तक घुसा दिया. मैं निहाल हो उठी. अब वो मेरी पूरी जवानी को मसल रहा था. मेरे उभरे हुए स्तनों को भींच भींच कर मसल रहा था. उसकी जवानी और मेरी जवानी टकरा उठी ... आग जल उठी ... दोनों ऐसे चिपक कर जवानी का मजा ले रहे थे जैसे एक जिस्म हो. चेहरा से चेहरा रगड़ खा रहे थे. फच फच की आवाजें बढ़ती जा रही थी. मस्ती की चीखें जोर पकड़ती जा रही थी. मेरे चूतड नीचे से तेजी से उछल उछल कर लंड को ले रहे थे. मैं सिस्कारियां ... आहें भर रही थी ... जाने क्या क्या बोलती जा रही थी. ... “चोद ऐरे संजू ... आ आहूह ... फाड़ दे मेरी चूत दे लंड ... और दे लंड आ अहूहूहू मेरे राजा ... हाय .. रे ... चुद गयी ... राजा ...”

मेरी उत्तेजना हदें पर कर गयी. और अचानक जैसे ठंडी फुहार बरसने लगी ... संजय का मस्ती भरा रस बरसात की तरह फुहारे छोड़ रहा था. रुक रुक कर मेरे स्तनों पर बरसात कर रहा था. मैं भी अपना रस छोड़ चुकी थी ... दोनों का ज्वार उतरने लगा. मैं निढाल हो गयी. संजय को मैंने जोर से छाती पर भींच लिया. और उसे साइड में करवट लेकर चिपक कर लेट गयी. हमारी सांसे अब सामान्य होने लगी थी.

संजय ने उठ कर ...”कामिनी खाना खा कर सोना ... उठो ..”

मैं हंस पड़ी ...”अरे ... सोता कौन है ... अभी तो सारी रात पड़ी है ...”

Other stories you may be interested in

प्यार और सेक्स की चाहत में चूत चुदवा ली

मेरे नाम अनिकेत है.. कद 5' 8" .. उम्र 27 साल है। मैं अन्तर्वासना की हिन्दी सेक्स स्टोरी का नियमित पाठक हूँ। काफ़ी कहानी पढ़ने के बाद मुझे लगा शायद मुझे भी अपनी कहानी आप पाठकों के साथ साझा करनी चाहिए। [...]

[Full Story >>>](#)

आंटी को चूत में उंगली करते देखा तो...

दोस्तो.. यह मेरी पहली कहानी है जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ। मेरा नाम राज है, मैं जयपुर का रहने वाला हूँ। मेरी आयु 19 साल है। हमारे घर पर कुछ दिनों पहले एक शादीशुदा कपल किराए पर रहने [...]

[Full Story >>>](#)

Auto Draft

दोस्तो, मेरा नाम अर्जुन है.. मैं पानीपत हरियाणा का रहने वाला हूँ, अभी भरपूर नौजवानी में हूँ। मैं बीबीए के दूसरे साल में पढ़ता हूँ। मेरा कद 5.7 है.. और बॉडी नॉर्मल है, मेरे लंड का साइज़ भी काफी लम्बा [...]

[Full Story >>>](#)

देसी इंडियन आंटी के साथ चूत चुदाई का खेल

दोस्तो, मेरा नाम अर्जुन है.. मैं पानीपत हरियाणा का रहने वाला हूँ, अभी भरपूर नौजवानी में हूँ। मैं बीबीए के दूसरे साल में पढ़ता हूँ। मेरा कद 5.7 है.. और बॉडी नॉर्मल है, मेरे लंड का साइज़ भी काफी लम्बा [...]

[Full Story >>>](#)

मस्त पड़ोसन की चूत की आग

नमस्ते मित्रो.. ये मेरी सबसे पहली वाली स्टोरी है। मैं बहुत वर्षों से अन्तर्वासना का पाठक हूँ.. तो मैंने सोचा अब मैं भी अपनी कहानी लिख दूँ। यदि मेरे इस पहले प्रयास में कुछ गलती हो जाए.. तो माफ़ कर [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

[Antarvasna Shemale Videos](#)



Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

[Urdu Sex Stories](#)



Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

[Velamma](#)



Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

[Indian Gay Site](#)



#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

[Tamil Kamaveri](#)



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

[Sex Chat Stories](#)



Daily updated audio sex stories.